पीएच.डी. जनसंचार- 2020

1. **विभाग/केंद्र का नाम : जनसंचार**
2. **पाठ्यक्रम का नाम : पीएच.डी. जनसंचार**
3. **पाठ्यक्रम कोड :** PhD/MC/2020
4. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):**
   (विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
पीएच. डी. कार्यक्रम करने के उपरांत 1) संचार एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में शोध की समझ बढ़ेगी। 2) मीडिया का समाज पर पड़ने वाले प्रभाव एवं समाज के अंतर- संबंधों का ज्ञान अर्जित करेगा। 3) शोध क्षेत्र में स्थानीय मूल्य के संवर्धन एवं समस्याओं के निवारण की दृष्टि विकसित होगी. 4) राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय भाषाओं की समृद्धि एवं उत्थान हेतु शोध दृष्टि विकसित होगी। 5) भारतीय दृष्टि से संचार सिद्धांतों की समीक्षा एवं संकल्पना की स्थापना करेगा।	6) शोध कार्य के अनुरूप सहायक तकनीक का ज्ञान अर्जित करेगा। 7) शोध प्रकाशन के नैतिकता के मानदंडों को समझेगा।	8) अध्यापन कार्य में सहायता कर विषय विशेष में प्रशिक्षित शिक्षक बनेगा। 9) शोध के क्षेत्र में भविष्य बना पाएगा।

5. पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure):

पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (Core Course)		योग
पहला सेमेस्टर (कोर्स वर्क)	PhD/MC/FR/01	शोध के मूलभूत आधार (02 क्रेडिट)	**20 क्रेडिट**
	PhD/MC/PE /02	शोध एवं प्रकाशन की नैतिकता (02 क्रेडिट)	
	PhD/MC/RM/03	मीडिया शोध प्रविधि (04 क्रेडिट)	
	PhD/MC/CA/04	कम्प्यूटर अनुप्रयोग (04 क्रेडिट)	
	PhD/MC/CP/05	संचार : दृष्टिकोण एवं पद्धति (04 क्रेडिट)	
	PhD/MC/IS/06	अंतर अनुसाशनिक (04 क्रेडिट)	
द्वितीय सेमेस्टर से दसवें सेमेस्टर तक	शोध प्रबंध लेखन		80
	मौखिकी		20
	टीचींग एसोसीएटशिप/रिसर्च एसोसीएटशिप (अध्यापन एवं शोध कार्य में सहयोग)		10 (अतिरिक्त)
कुल क्रेडिट			**120 क्रेडिट**

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	26
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

1. **पाठ्यचर्या का नाम: शोध के मूलभूत आधार**
2. **पाठ्यचर्या का कोड: PhD/MC/FR/01**
3. **क्रेडिट: 02**
4. **सेमेस्टर: प्रथम (कोर्स वर्क)**

5. पाठ्यचर्या विवरण: इस पाठ्यचर्या द्वारा शोधार्थी शोध के मूल एवं आधार विषयों पर ज्ञान अर्जित करेगा **(**Description of Course)

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

- छात्र शोध का आधार ज्ञान अर्जित करेंगे
- शोध के विभिन्न तकनीक का ज्ञान अर्जित करेंगे

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	अनुसंधान – परिभाषा एवं महत्व अनुसंधान के चरण वस्तुनिष्ठता संप्रत्यय, तथ्य और सिद्धांत उपकल्पना	13	02		15	50%
मॉड्यूल-2	शोध की विश्वसनीयता शोध की वैधता अनुमापन प्रविधियाँ गुणात्मक एवं मात्रात्मक शोध अनुसंधान	13	02		15	50%

	अभिकल्प					
योग		**26**	**04**	**--**	**30**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा अध्यापन प्रायोगिक मूडल्स गूगल मीट
विधियाँ	व्याख्यान ई-व्याख्यान परिचर्चा सामूहिक परिचर्चा प्रस्तुतिकरण संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण
तकनीक	पावर पोईंट प्रेज़ेंटेशन दृश्य- श्रव्य माध्यम वेब पेज ब्लॉग सोशल मीडिया यू ट्यूब मूडल्स
उपादान	लैप टॉप मोबाइल मूडल्स

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	-	-	-	-	X	-	X	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	डॉ. डी. एस. बघेल (2015). *सामाजिक अनुसंधान*. एस बी पी डी पब्लिशिंग हाउस राम आहूजा(2010). *सामाजिकअनुसंधान*. रावत पब्लिकेशन, डॉ॰ मनोज दयाल(2003). *मीडिया शोध*. पंचकूला: हरियाणा साहित्य अकादमी, पैम डेनिकोलो एवं लुसिंडा बेकरसेज (2018).*शोध प्रस्ताव कैसे करें तैयार*. भाषा प्रकाशन,

		जिना ओ लियरीसेज(2018). *रिसर्च प्रोजेक्ट तैयार करने के लिए आवश्यक मार्ग दर्शन.* भाषाप्रकाशन, रंजीत कुमार (2018). *शोध कार्य प्रणाली.* सेज (भाषा) प्रकाशन. A. K. Singh (2015). *Tests, Measurements and Research Methods in Behavioural Sciences*. Bharati Bhawan. Wilkinson & Bhandarkar (2005). *Methodology and Techniques of Social Research*. Himalya Publishing House. Wimmer& Dominick (2003). *Mass Media Research*. Thomson Wadsworth.
3	ई-संसाधन	• **https://www.mobt3ath.com/uplode/book/book-21326.pdf** • **https://epgp.inflibnet.ac.in/** • **https://swayam.gov.in/**
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: शोध एवं प्रकाशन की नैतिकता

2. पाठ्यचर्या का कोड: PhD/MC/PE/02

3. क्रेडिट: 02

4. सेमेस्टर: प्रथम (कोर्स वर्क)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

5. पाठ्यचर्या विवरण: इस पाठ्यचर्या द्वारा शोधार्थी शोध एवं प्रकाशन संबंधी नियम एवं नैतिकता का ज्ञान अर्जित करेगा

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

- शोधार्थी शोध संबंधित दार्शनिक व नैतिक मुद्दों से परिचित होंगे।
- शोधार्थी शोध संबंधी वैज्ञानिक आचार से परिचित होंगे।
- शोधार्थी प्रकाशन नैतिकता से परिचित होंगे।
- शोधार्थी प्रकाशन के ओपन एक्सेस उपक्रम से परिचित होंगे।
- शोधार्थी प्रकाशन संबंधी कदाचार को जानेंगे।
- शोधार्थी डेटाबेस और शोध मेट्रिक्स से परिचित होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**सिद्धांत** **दर्शन एवं नैतिकता** • दर्शन का परिचय: परिभाषा,	3 घंटे			3 घंटे	**16.66%**

	प्रकृति और कार्यक्षेत्र, अवधारणा, शाखाएँ • नैतिकता: परिभाषा, नैतिक दर्शन, नैतिक निर्णय और प्रतिक्रियाओं की प्रकृति					
मॉड्यूल-2	**वैज्ञानिक आचार** • विज्ञान और अनुसंधान के संबंध में नैतिकता • बौद्धिक ईमानदारी एवं शोध निष्ठा • वैज्ञानिक कदाचार :मिथ्याकरण, ज़ालसाज़ी और साहित्यिक चोरी (FFP) • निरर्थक प्रकाशनडुप्लिकेट और : ओवरलैपिंग प्रकाशन, सलामी स्लाइसिंग (salami slicing) • चयनात्मक रिपोर्टिंग और आकड़ों का मिथ्यानिरूपण	05 घंटे			05 घंटे	**16.66%**
मॉड्यूल-3	**प्रकाशन नैतिकता** • प्रकाशन नैतिकता: परिभाषा, परिचय और महत्त्व • पहल और दिशानिर्देश संबंधी सर्वोत्तम अभ्यास / मानक: COPE, WAME, इत्यादि। • रुचि संबंधी संघर्ष • प्रकाशन कदाचार: परिभाषा, अवधारणा, अनैतिक व्यवहार और इससे बचने संबंधी समस्याएँ,प्रकार • प्रकाशन नैतिकता, लेखक और योगदानकर्ता का उल्लंघन • प्रकाशन कदाचार शिकायतों और अपील की पहचान • लुटेरे प्रकाशक और पत्रिकाएँ	07 घंटे			07 घंटे	**16.66%**

मॉड्यूल-4	**<u>अभ्यास</u>** **ओपन एक्सेस प्रकाशन** ● ओपन एक्सेस प्रकाशन और उपक्रम ● प्रकाशक कॉपीराइट और स्व-अभिलेखीय नीतियों की जाँच करने के लिए SHERPA / RoMEOऑनलाइन संसाधन ● लुटेरे प्रकाशनों की पहचान करने के लिए SPPUद्वारा विकसित सॉफ्टवेयर टूल ● जर्नल फाइंडर / पत्रिका सुझाव उपकरण अर्थात JANE,एल्सेवियर जर्नल फाइंडर,स्प्रिंगर जर्नल सुझावक,इत्यादि।	04 घंटे			04 घंटे	**16.66%**
मॉड्यूल-5	**प्रकाशन कदाचार** **अ. समूह चर्चा** ● विषय विशेष के नैतिक मुद्दे,FFP, ग्रंथकारिता (authorship) ● रुचि संबंधी संघर्ष ● शिकायतें और अपील: भारत और विदेश से उदाहरण और धोखाधड़ी **ब. सॉफ्टवेयर उपकरण** साहित्यिक चोरी सॉफ्टवेयर जैसे टर्निटिन, उरकुंड और अन्य खुले स्रोत सॉफ़्टवेयर उपकरणका उपयोग	04 घंटे			04 घंटे	**16.66%**
मॉड्यूल-6	**डेटाबेस एवं शोध मेट्रिक्स** **अ. डेटाबेस** ● सूचीकरण डेटाबेस ● उद्धरण डेटाबेस : वेब ऑफ़ साइंस, स्कोपस इत्यादि।	07 घंटे			07 घंटे	**16.66%**

	ब. सॉफ्टवेयर उपकरण • जर्नल उद्धरण रिपोर्ट, SNIP, SJR, IPP,साइट स्कोर के अनुसार जर्नल का इम्पैक्ट फैक्टर • मेट्रिक्स : एच-इंडेक्स, जी-इंडेक्स, आई-10 इंडेक्स, अल्टमेट्रिक्स					
योग		**30**	**--**	**--**	**30**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा अध्यापन प्रायोगिक मूडल्स गूगल मीट
विधियाँ	व्याख्यान ई-व्याख्यान परिचर्चा सामूहिक परिचर्चा प्रस्तुतिकरण संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण
तकनीक	पावर पोईंट प्रेज़ेंटेशन दृश्य- श्रव्य माध्यम वेब पेज ब्लॉग सोशल मीडिया यू ट्यूब मूडल्स
उपादान	लैप टॉप मोबाइल मूडल्स

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	-	X	-	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	➢ Bird, A. (2006). *Philosophy of Science.* Routledge. ➢ Macintyre, Alasdair. (1967). *A Short History of Ethics.* London ➢ Chaddah, P. (2018). Ethics in Competitive Research: Do not get scooped do not get plagiarized. ISBN 978 9387480865 ➢ National Academy of Sciences, National Academy of Engineering and Institute Medicine. (2009). *On Being a Scientist: A Guide to Responsible Conduct in Research. Third Edition*. National Academies Press. ➢ Resnik, D. B. (2011). What is ethics in research & why is it important. *National Institute of Environmental Health Sciences,* 1-10. Retrieved from https://www.nichs.nih.gov/research/resources/bioethics/whatis/index.cfm ➢ Beall, J. (2012). Predatory publishers are corrupting open access. *Nature, 489(7415),* 179-179. ➢ https://doi.org/10.1038489179a ➢ Indian National Science Academy (INSA). Ethics in Science Education, Research and Governance (2019), ISBN : 978-51-939482-1-7 . http://www.insaindia.res.in/pdf/Ethics_Book.pdf
3	ई-संसाधन	• **https://swayam.gov.in/**
4	अन्य	

(Textbooks/Reference/Resources)

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम: मीडिया शोध प्रविधि**
2. **पाठ्यचर्या का कोड: Ph.D./RM/03**
3. **क्रेडिट: 4**
4. **सेमेस्टर: प्रथम (कोर्स वर्क)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

5. **पाठ्यचर्या विवरण:**

- इस पाठ्यचर्या में संचार एवं मीडिया शोध की अवधारणा, अर्थ, परिभाषा, महत्व, चरण, दृष्टिकोण के साथ ही परिकल्पना, शोध विधियाँ एवं आँकड़ा संग्रहण की विधियों का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- संचार शोध में मॉडल एवं सिद्धांत के महत्व का अध्ययन किया जाएगा।
- विभिन्न शोध अभिकल्पों का परिचय एवं तथ्य संकलन की विधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- विभिन्न प्रकार के प्रतिवेदन लेखन का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।
- मीडिया शोध के विभिन्न आयामों का परिचय प्रदान किया जाएगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

- मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों में शोध का अवसर प्रदान करना ।
- मीडिया शोध प्राविधि से अवगत कराना ।
- संचार सिद्धांतों को भारतीय परिपेक्ष में अनुप्रयोग में लाना।
- स्थानीय समस्याओं की पहचान एवं मीडिया शोध के माध्यम से समाधान के विकल्प प्रस्तुत करना।
- मीडिया शोध कार्य करने में दक्ष बनाना।
- मीडिया शोध को सफलता पूर्वक पूरा करने में दक्ष बनाना।
- शोध प्रतिवेदन लेखन सिखाना।

9. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल /संवाद (यदि अपेक्षित हैं)	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**शोध की अवधारणा** 1.1 मीडिया शोध की अवधारणा 1.2 शोध में वैज्ञानिक दृष्टिकोण 1.3 साहित्य पुनरावलोकन 1.4 संचार शोध में सिद्धांत का महत्व 1.5 संचार शोध में मॉडल का महत्व	**13**	**2**		**15**	**25%**
मॉड्यूल-2	**प्रतिवेदन लेखन** 2.1 शोध : उद्देश्य, प्रश्न एवं परिकल्पना 2.2 शोध प्रस्ताव लेखन विधि 2.3 शोध पत्र लेखन विधि 2.4 शोध प्रतिवेदन लेखन विधि 2.5 संदर्भ लेखन विधि	**13**	**2**		**15**	**25%**
मॉड्यूल-3	**मीडिया शोध के आयाम** 3.1 प्रिंट मीडिया शोध 3.2 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया शोध 3.3 विज्ञापन शोध 3.4 बाजार शोध 3.5 जनसंपर्क शोध	**13**	**2**		**15**	**25%**
मॉड्यूल-4	**शोध अभिकल्प** 5.1 गुणात्मक शोध 5.2 मात्रात्मक शोध 5.3 मिश्रित शोध 5.4 क्रियात्मक शोध 5.5 वैचारिक शोध	**13**	**2**		**15**	**25%**
योग		**52**	**8**		**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा अध्यापन प्रायोगिक मूडल्स गूगल मीट
विधियाँ	व्याख्यान ई-व्याख्यान परिचर्चा सामूहिक परिचर्चा प्रस्तुतिकरण संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण
तकनीक	पावर पोईंट प्रेज़ेंटेशन दृश्य- श्रव्य माध्यम वेब पेज ब्लॉग सोशल मीडिया यू ट्यूब मूडल्स
उपादान	ऑडियो वीडियो, मॉडेल एवं रेखा चित्र

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)	**सत्रांत परीक्षा (75%)**

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• गुप्ता, वी. (2015). संचार एवं मीडिया शोध . नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन. • दयाल, एम. (2003). मीडिया शोध. पंचकुला: हरियाणा साहित्य अकादमी. • सिंह, ए. के. (2008). मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ. नई दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन. • राय, सी.पी. व राय, पी. (2013). अनुसंधान परिचय. आगरा: लक्ष्मी नारायण अग्रवाल. • यादव, आर. एन. (2014). सामाजिक अनुसंधान पद्धतियाँ. नई दिल्ली: ओरियंट ब्लैकस्वान. • त्रिपाठी, एस. व श्रीवास्तव, ए. के. (2017). सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी. नई दिल्ली: रावत प्रकाशन.
3	ई-संसाधन	• https://www.modares.ac.ir/uploads/Agr.Oth.Lib.17.pdf • https://www.cartercenter.org/resources/pdfs/health/ephti/libra

		ry/lecture_notes/health_science_students/In_research_method_final.pdf • http://www.ddegjust.ac.in/studymaterial/mba/cp-206.pdf • https://www.mobt3ath.com/uplode/book/book-21326.pdf • https://epgp.inflibnet.ac.in/ • https://swayam.gov.in/
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम:कम्प्यूटर अनुप्रयोग**
2. **पाठ्यचर्या का कोड:**PhD/MC/CA/04
3. **क्रेडिट: 04**
4. **सेमेस्टर: प्रथम (कोर्स वर्क)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

*** विश्वविद्यालय के लीला विभाग द्वारा पढ़ाया जाएगा**

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्याका नाम : संचार : दृष्टिकोण एवं पद्धति**
2. **पाठ्यचर्या का कोड :** PhD/MC/CP/05
3. **क्रेडिट: 04**
4. **सेमेस्टर: प्रथम (कोर्स वर्क)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

इस पाठ्यचर्या द्वारा संचार एवं शोध दृष्टि विकसित होगी।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

- समाजके विभिन्न क्षेत्रों पर संचार के पड़ने वाले प्रभाव को चिन्हित करना
- संचार रिक्तता को कम करने के उपाय की तलाश कराना
- स्थानीय समस्याओं के निवारण में मीडिया के उपयोग एवं प्रभाव की समझ विकसित करना
- संचार सिद्धांत एवं इसके प्रभाव का भारतीय दृष्टिकोण से अध्ययन

(Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला. .(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**सामाजिक परिवर्तन और संचार माध्यम** 1.1 लोकतंत्र और जनसंचार माध्यम 1.2 सांस्कृतिक आदान-प्रदान और संचार माध्यम	13	2		**15**	**25%**

	1.3 परंपरा, आधुनिकता और उत्तरोक्त आधुनिकता 1.4 सामाजिक परिवर्तन और संचार माध्यम					
मॉड्यूल-2	**समकालीन मीडिया दृष्टि** 2.1-पेड न्यूज़, फेक न्यूज़ और मीडिया 2.2 एजेंडा सेटिंग और मीडिया 2.3 माध्यम व्यवस्था : नीतिगत दृष्टिकोण 2.4 मीडिया के औद्योगिक आयाम 2.5 मीडिया विमर्श की बदलती प्रवृत्तियाँ वनाम वैश्विक परिदृश्य	13	2		**15**	25%
मॉड्यूल-3	**अनुनयात्मक तकनीक एवं सांस्कृतिक मीडिया दृष्टि** 3.1 अनुनय (Persuasion) एवं प्रॉपगैंडा 3.2 इलाबोरेसन लाईक्लीहुड मॉडल 3.3 फ्रेमिंगसिद्धांत 3.4 सिमयोटिक्स 3.5 संरचनावाद	13	2		15	25%
मॉड्यूल-4	**मीडिया और सामाजिक सरोकार के मुद्दे** 4.1 मीडिया और मानवाधिकार 4.2 दलित और मीडिया 4.3 आदिवासी और मीडिया 4.4 स्त्री और मीडिया 4.5 अल्पसंख्यक और मीडिया	13	2		15	25%
योग		**52**	**08**	**--**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	कक्षा अध्यापन प्रायोगिक मूडल्स गूगल मीट
विधियाँ	व्याख्यान ई-व्याख्यान परिचर्चा सामूहिक परिचर्चा प्रस्तुतिकरण संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण
तकनीक	पावर पोईंट प्रेज़ेंटेशन दृश्य- श्रव्य माध्यम वेब पेज ब्लॉग सोशल मीडिया यू ट्यूब मूडल्स
उपादान	लैप टॉप मोबाइल मूडल्स

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	-	-	-	X	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)	**सत्रांत परीक्षा (75%)**

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• जनसंचार के सामाजिक संदर्भ :ज्वारीलाल पारख, अनामिका पब्लिशर्स, 2001 • हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम : वेद प्रताप वैदिक, हिंदी बुक सेट्रर, नई दिल्ली,2000 • सपनों में बनता देश : राजेन्द्र माथुर, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली,2003 • राष्ट्रीय नवजागरण एवं हिंदी पत्रकारिता: मीरा राणी वत्स , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
3	ई-संसाधन	https://swayam.gov.in/
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम: अंतर अनुशासनिक**
2. **पाठ्यचर्या का कोड:** PhD/MC/IS/06
3. **क्रेडिट: 04**
4. **सेमेस्टर: प्रथम (कोर्स वर्क)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

*** जनसंचार के शोधार्थियों को संबंधित विभाग (समाजकार्य, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, मानवविज्ञान, गांधी एवं शांति अध्ययन एवं प्रदर्शनकारी कला) द्वारा पढ़ाया जाएगा**

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना
Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)
(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1.विश्वविद्यालय के उद्देश्य(Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियमके प्रावधान संख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmers of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हेंसहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School) -

हिंदी माध्यम से उच्च शिक्षा में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के विषयों यथा जनसंचार, जनजातीय अध्ययन व समाज कार्य, इतिहास विभाग, राजनीति शास्त्र और समाज शास्त्र के अध्ययन और अनुशीलन को बढ़ावा देकर ज्ञान का विस्तार करना। मानविकी एवं सामाजिक वित्रान विद्यापीठ के अंतर्गत संचालित जनसंचार विभाग, मानव विज्ञान विभाग, महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य केंद्र, इतिहास विभाग, राजनीति शास्त्र और समाज शास्त्र विभाग के पाठ्यक्रमों का उद्देश्य शिक्षार्थी को रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराना और उसे समर्थ और कुशल व्यक्तित्व उपलब्ध कराना है।

2. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)-

जनसंचार विभाग संपूर्ण भारत की विभिन्न भाषाओं में गुंथी हुई संचार व्यवस्था केंद्रित अध्ययन व अनुसंधान को समर्पित है।

विभाग का ध्येय

1. संचार की वाचिक परंपरा तथा लिपिविहीन समाजों की संचार संपदा का संकलन और अध्ययन।
2. हिंदी मीडिया की भाषा में हो रहे विकास और ह्रास का अनुशीलन और समुचित दिशा देने का यत्न।
3. स्थान और समय की चुनौतियों के अनुरूप हिंदी मीडिया की भाषा का सिद्धांत निर्माण।
4. इंटरनेट पर उपलब्ध ज्ञान का उपयोग करना और अपने ज्ञान को उस पर अपलोड करना और डिजिटल आर्काइव बनाना।
5. भारत की विभिन्न भाषाओं के मीडिया के साथ हिंदी मीडिया का संबंध जोड़ना और विभिन्न भाषाओं की पत्रकारिता में सहकार संबंध स्थापित करना।भारत की समस्त भाषाओं के मीडिया में संचार सौंदर्य का संकलन और अनुशीलन।
6. सही और गलत समाचारों को अलग करने का शास्त्र और उसकी तकनीक विकसित करना और उसका प्रशिक्षण देना।
7. भोजपुरी, अवधी, बघेली, बुंदेलखंडी, अंगिका, ब्रज, हरियाणवी आदि बोलियोंवाले समाज तथा हिंदीतर भाषाओं के सांस्कृतिक संचार के रूपक और प्रतिमानों का अध्ययन और संकलन।

ध्येयपूर्ति हेतु कार्य योजना-

1. हिंदी मीडिया की भाषा के स्वरूप को गढ़ना और निरंतर समृद्ध करते रहना। उदाहरण के लिए मुबंई के हिंदी मीडिया में मुंबइया हिंदी हैदराबाद में हैदराबादी हिंदी, कलकत्ता में कलकतिया हिंदी, भोपाल के हिंदी मीडिया में भोपाली हिंदी के संचार प्रभावों का अध्ययन। विज्ञापन की भाषा में भी स्थानीय भाषा के प्रयोग की संभावनाओं का अध्ययन।
2. किसान की भाषा, मजदूर की भाषा, व्यापारियों की भाषा, निम्न मध्यवर्गीय भाषा, सधुक्कड़ी भाषा, घुमंतू और विलुप्त हो रही जनजातियों की भाषा के संचार प्रभावों का अध्ययन।
3. जनभाषा, शास्त्र की भाषा और बाजार की भाषा के बीच संवाद स्थापित करते हुए मुद्रित, दृश्य- श्रव्य और नव माध्यम के लिए लेखन का प्रशिक्षण।
4. वर्तनी का मानकीकरण, सरलीकरण और देसीकरण। तदनुसार मीडिया पाठ्यक्रम तैयार करना और प्रशिक्षण का प्रबंध करना।
5. हिंदी मीडिया का शब्द निर्माण। शब्द कोश निर्माण।

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)